COs: Hindi (बी.ए, बी. एस्सी.)

प्रश्नपत्र 1-2 सामान्य हिंदी (SL)

CO1: मानवीय संवेदनाओं का विकास हो जाता है और इंसानियत को बढ़ावा मिलता है।

CO2: हिंदी कहानी साहित्य का परिचय मिल जाता है।.

CO3: हिंदी के प्रमुख लेखकों और उनकी लेखन शैली विशेषताओं का परिचय प्राप्त होता है।

CO4: वाचन माध्यम से हिंदी भाषा कौशल का विकास होता है।

CO5: वाचन माध्यम में हिंदी भाषा के महत्व के साथ व्यावहारिक सज्जनता निर्माण होती है।

प्रश्नपत्र 3 - हिंदी गद्य साहित्य

CO1: हिंदी कहानी और व्यंग्य साहित्य का अध्ययन करना।
CO2: इंसानी जीवन मूल्यों और संवेदनाओं का विकास और उनके प्रति आस्था निर्माण करना।
CO3: साहित्य आस्वादन और मूल्यांकन क्षमता का निर्माण करना।

CO4: हिंदी साहित्य की राष्ट्रीय विविधताओं का परिचय कराना।

प्रश्नपत्र 4 – एकांकी साहित्य

CO1: एकांकी नाटक की तुलना में छोटी विधा है। प्रथम नाटकों के अध्ययन और द्वितीय सत्र में एकांकी का अध्ययन से विद्यार्थियों को नाटक और एकांकी के बीच अंतर समझ में आता है।

CO2: हिंदी एकांकियों के उद्देश्य और विकास से विद्यार्थियों परिचित होते हैं।

CO3: एकांकी के माध्यम से मानवीय संवेदनाओं का अध्ययन हो गया और जीवन में मानवीय मूल्यों से विद्यार्थियों परिचित हो गए हैं। छोटी-छोटी घटनाओं का जीवन में क्या महत्व है, इसका परिचय विद्यार्थियों को हो गया है।

CO4: एकांकी नए पुराने किताब के भीतर पांच प्रतिनिधिक एकांकियों को पढ़ाई के लिए रखा गया है, इस वजह से ऐतिहासिक, सामाजिक और समसामयिक समस्याओं का परिचय भी हो जाता है, इसका अध्ययन विद्यार्थियों के लिए उपयोगी है।

CO5: 'परिवर्तन' महिला एकांकी: हिंदी महिला एकांकाकार की एकांकी का परिचय करती है। महिला का अनुभव जगत का बयान करती है एवं एकांकी स्त्रियों की भावनाओं और संघर्ष को विद्यार्थियों के सामने रखता है। इस से विद्यार्थियों अपने घर-परिवार में रह रही महिलाओं के महत्व से परिचित हो गए हैं।

Minority Institute

Principal
Tarai Arts & Science College
Paithan, Dist. Chh.Sambhajinagar

COs: Hindi (बी.ए , बी.एस्सी.)

सामान्य हिंदी (SL - III & IV)

CO1: साहित्य आस्वादन अभिरुचि का संस्कार करना।

CO2: जीवन मूल्यों प्रवर्त आस्था निर्माण करना।

CO3: हिंदी के आधुनिक गद्य साहित्य की प्रवर्तनात्मक रचनाओं का परिचय कराना।

CO4: अध्ययनार्थियों इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों का परिचय कराना।

CO5: व्यवहारिक, व्यावसायिक मूल्य तथा समर्थ मूल्य व्यावसायिक हिंदी भाषा से विद्यार्थियों परिचित हों और आधुनिक जीवन में अपनी मांगों की पूर्ति करने की क्षमता पाए यह अपेक्षा भी इस पाठ्यक्रम में की गई है।

CO6: लेखन के सारे प्रकार, आवेदन, बैंकिंग तथा सरकारी भाषा से विद्यार्थी परिचित होता है। इस कार्य से प्रयोजनमूलक हिंदी का ज्ञान प्राप्त होता है।

CO7: हिंदी साहित्य की कहानी, कविता, संस्मरण, रेखाचित्र, डायरी, आत्मकथा, जीवनियाँ, निबंध, यात्रा-वृत्त, व्यंग्यात्मक, रिपोर्ट आदि विधाओं का परिचय भी विद्यार्थियों को हो चुका है। जीवन मूल, भाव-आवेगों, संवेदनाओं के परिचय तथा आधुनिक भाषा और माध्यमों का अध्ययन इसको विद्यार्थियों पाते हैं।

CO8: हिंदी वार्ता लेखन, समाचार लेखन, मीडिया के विविध आयाम, हिंदी भाषा की व्यावसायिक उपयोगिता, बैंकों में, वैदिक हिंदी रिटेएरस्पेस में हिंदी भाषा का महत्व, उद्योग-व्यापार में हिंदी के सहारे सेवा का अधिक प्रयोग का संकेत है। इस बिंदु का परिचय कराना।

प्रश्नपत्र 5 – कथेत्तर गद्य साहित्य

CO1: कथेत्तर गद्य साहित्य पेपर लेखन का उद्देश्य यही है कि हिंदी के विद्यार्थी हिंदी साहित्य के करियर विविधाओं से परिचित हों।

CO2: गद्य गौरव और गद्य प्रभा किताब के माध्यम से विद्यार्थी रेखाचित्र, निबंध, संस्मरण, आत्मकथा, यात्रा-वृत्त, व्यंग्य, रिपोर्ट, आलेख आदि विधाओं से परिचित हो जाते हैं।

CO3: साहित्य विविधाओं के आस्वादन का आनंद लेने की आदत और अभिरुचि का विकास भी विद्यार्थियों में करना।

CO4: हिंदी कथेत्तर गद्य साहित्य संवेदना की परंपरा का परिचय कराना।

CO5: जीवन मूल्यों के प्रवर्त आस्था पैदा करना।

प्रश्नपत्र 6 – प्रयोजन मूलक हिंदी I

CO1: हिंदी भाषा का प्रयोजन मूल रूप का परिचय कराना।

Minority Institute

Principal
Tarai Arts & Science College
Paithan, Dist. Chh.Sambhajinagar

CO2: हिंदी भाषा की व्यावहारिकता पर प्रकाश डालना।

CO3: भारत देश की राष्ट्रीय भाषा होने के नाते हिंदी भाषा की एहमियत उपयोगिता का मूल्यांकन करना।

CO4: हिंदी के राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्वरूप का मूल्यांकन करना।

CO5: आधुनिक तंत्र विज्ञान में हिंदी की उपयोगिता पर आंकलन करना।

प्रश्नपत्र 7 – आधुनिक हिंदी कविता

CO1: हिंदी साहित्य के पद्य (कविता) के उद्भव और विकास पर प्रकाश डालना, हिंदी कविता के प्रमुख कवियों की अभिव्यक्ति, मानवीय भाव-भावनाओं और संवेदनाओं का विकास करना इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है।

CO2: नाजायज खंडकाव्य क्षमता का परिचय कराना और प्रसंग पर प्रकाश डालना। सीता की ऐतिहासिक कथा का अध्ययन करते हुए उसकी मानवीय संवेदनाएं, पात्र, पतिव्रता, और राष्ट्रीय भावनाएं विद्यार्थियों के समक्ष लाना इस अध्ययन का उद्देश्य है।

CO3: विद्यार्थियों 'रामायण', 'रामचरितमानस' तथा अन्य 'रामायण कथा' की रचनाओं से परिचित होते हैं, जिससे सीता एक स्त्री होने के नाते पुरुषों के प्रति विरोध के रूप में प्रस्तुत होती है, इसका परिचय विद्यार्थियों को कराया जाता है।

CO4: चुनी हुई नई कविताओं के अध्ययन हेतु रखी गई हैं। कविता और खंडकाव्य के माध्यम से विद्यार्थियों को विविध रसों से परिचित कराया जाता है और आधुनिक जीवन की समस्याओं जैसे परेशानी, बेरोजगारी, और अस्तित्व संकट आदि से अवगत कराया जाता है।

प्रश्नपत्र 8 – प्रयोजनमूलक हिंदी 2

CO1: हिंदी भाषा के विविध रूपों का परिचय कराना।

CO2: राजभाषा हिंदी के विविध रूपों का परिचय कराना।

CO3: प्रयोजनमूलक भाषा तथा अनुवाद की भूमिका का परिचय कराना।

CO4: हिंदी भाषा के प्रयोजनमूलक और व्यावहारिक रूप का परिचय कराना।

CO5: भारत देश की राष्ट्रीय भाषा होने के नाते हिंदी भाषा की उपयोगिता का मूल्यांकन करना।

CO6: हिंदी के राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्वरूप का मूल्यांकन करना।

CO7: आधुनिक तकनिकी ज्ञान में हिंदी की उपयोगिता पर आंकलन करना।

Tarai Arts & Science College Paithan Dist. Chh. Sambhajinagar Minority Institute

Principal
Tarai Arts & Science College
Paithan, Dist. Chh.Sambhajinagar

प्रश्नपत्र 10 आधुनिक हिंदी तथा आधुनिक कालीन हिंदी साहित्य का इतिहास

CO1: हिंदी साहित्य के ऐतिहासिक तथा आरंभ काल का परिचय कराना।

CO2: हिंदी साहित्य के लेखन शैली एवं परंपराओं पर प्रकाश डालना।

CO3: हिंदी साहित्य के आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल और आधुनिक काल का परिचय देना।

CO4: साहित्य आस्वादन और अभिरुचि का परिष्कार करना।

CO5: जीवन मूल्यों के प्रवर्त आस्था निर्माण करना।

प्रश्नपत्र 11 – साहित्यशास्त्र

CO1: साहित्य वाचन परंपरा का अध्ययन करना।

CO2: साहित्य लेखन क्षमता का परिचय करना।

CO3: साहित्य सृजन के संस्कार करना।

CO4: साहित्य एक ज्ञान से शास्त्र है, उसका पढ़ना, वाचन, अध्ययन, मूल्यांकन और सृजन करना एक प्रकार की शास्त्रीय प्रक्रिया है। इसी तकनीकी का परिचय करना इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है।

CO5: साहित्य का स्वरूप, तत्व, प्रयोजन, छंद, शब्दानुप्रास का, रस, अलंकार, छंद, विविधाओंक स्वरूप, आलोचना और अंगों का परिचय विद्यार्थियों करवाना।

CO6: साहित्य और हिंदी भाषा के विद्यार्थी होने के नाते एक परिपूर्ण इंसान बनने और मानवता जीवन का आकलन, बोध और मूल्यांकन करने की क्षमता का विकास करना इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है। अथवा साहित्यशास्त्र पाठ्यक्रम की पढ़ाई के बाद यह गुण विद्यार्थियों को प्राप्त हों।

CO7: साहित्य के मूल्यांकन करने का नजरिया भी विकसित करता है। साहित्य के कलात्मक अंगों पर प्रकाश डालने पर बल दिया जाता है।

प्रश्नपत्र 12 – हिंदी 16 – प्रकल्प कार्यक्रम

CO1: पठन-पाठन और लेखन कौशलों का विकास करना।

CO2: आलोचनात्मक क्षमता का विकास करना।

CO3: अनुसंधानात्मक दृष्टि का विकास करना।

CO4: प्रकल्प प्रस्तुति का तकनीकी से परिचित करना।

Minority Institute

Principal
Tarai Arts & Science College
Paithan, Dist. Chh.Sambhajinagar

प्रश्नपत्र 13 – मध्यकालीन काव्य

CO1: भारतीय भक्ति आंदोलन का अध्ययन करना।

CO2: तीव्रकालीन संवेदनाओं का अध्ययन करना।

CO3: कविताओं के माध्यम से मध्यकालीन सांस्कृतिक संवेदना का अध्ययन करना।

CO4: भक्ति तथा तीव्रकालीन पृष्ठभूमि और प्रवृत्तियों से विद्यार्थियों को परिचित करना।

CO5: साहित्य का वाचन, अध्ययन और मूल्यांकन करना एक प्रकार की शास्त्रीय तकनीकी है। इसी तकनीकी का विकास करना इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है।

प्रश्नपत्र 14 – आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास

CO1: हिंदी साहित्य के आधुनिक परिचय काल का परिचय करना।

CO2: हिंदी साहित्य के आधुनिक काल की पृष्ठभूमि और प्रवृत्तियोंपर प्रकाश डालना।

CO3: हिंदी साहित्य के आधुनिक काल में कविताओं और गद्य लेखन के विविध प्रकारों का आकलन और मूल्यांकन करना।

CO4: भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में हिंदी साहित्यकारों की लेखनी भूमिका बताई गई और देशभक्ति से प्रेरित होकर साहित्य लेखन का मूल्यांकन करना।

CO5: हिंदी साहित्य के सामाजिक और आधुनिक पहलुओं पर प्रकाश डालना।

Minority Institute

Principal
Tarai Arts & Science College
Paithan, Dist. Chhatrapati Sambhajinagar